B-2

L-24

दिनांक
06-01-2024

महासागरीय धारायें

⇒ महासागरों की सतह पर एक निश्चित दिशा में लम्बी दूरी तक नदी की तरह बहते जल को महासागरीय धारा कहते हैं।

प्रवाह के कारण ⇒ वायु, कोरियोलिस बल, तरंग, गुरुत्वाकर्षण, तापमान एवं लवणीय भिन्नता आदि

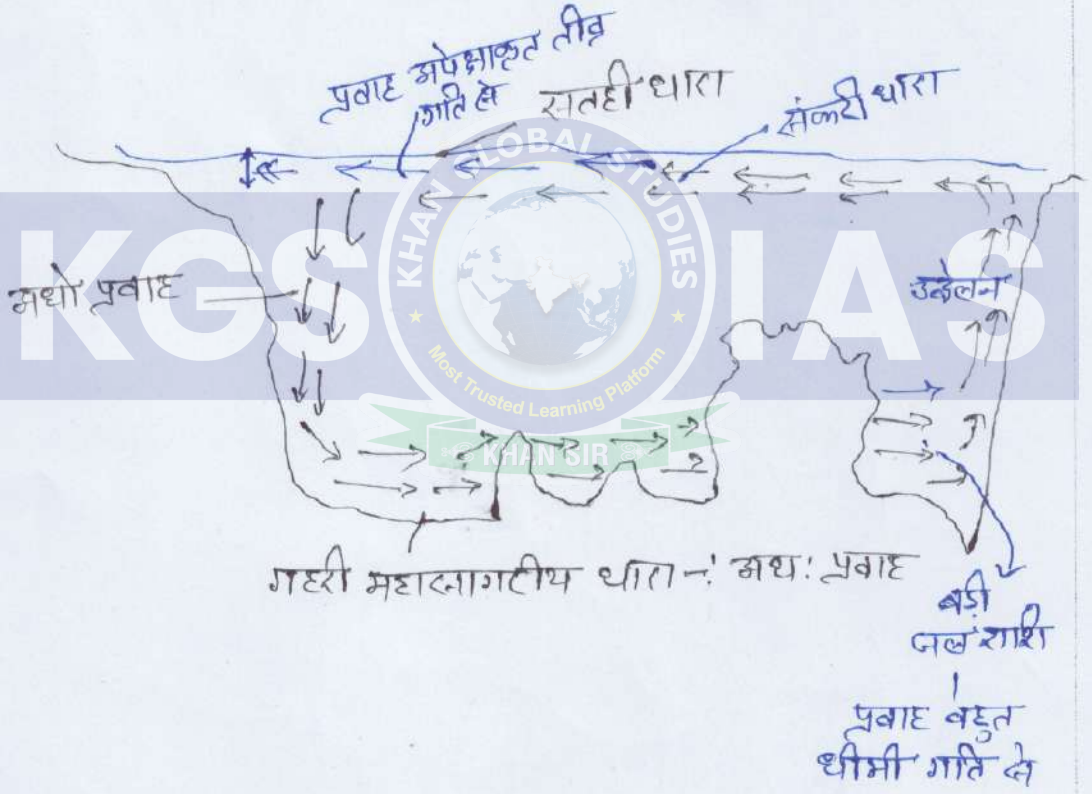

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

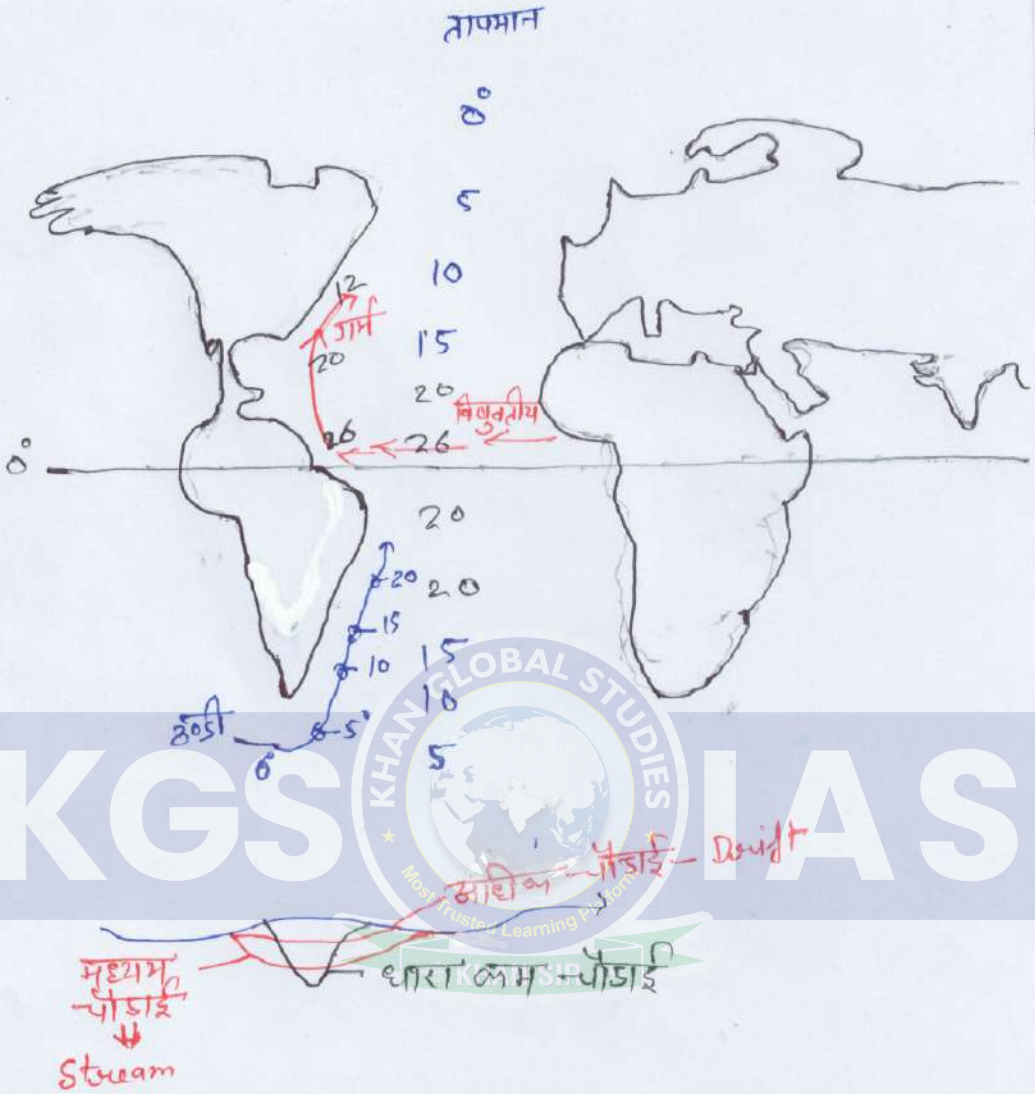

⇒ महासागरीय धाराओं को चलाने वाले कारक :-

↳ मूल कारक ⇒ ऊष्मा सन्तुलन

1- प्रचलित पवन ⟶ घर्षण द्वारा

2- पृथ्वी का घूर्णन ⟶ कोरियोलिस बल

3- महासागरीय जल का घनत्व ⟶ तापमान व लवणता

4- गुरुत्वाकर्षण ⟶ अधोप्रवाह

5- तटरेखा या आलाट

6- सागरीय नितल स्थलाकृति

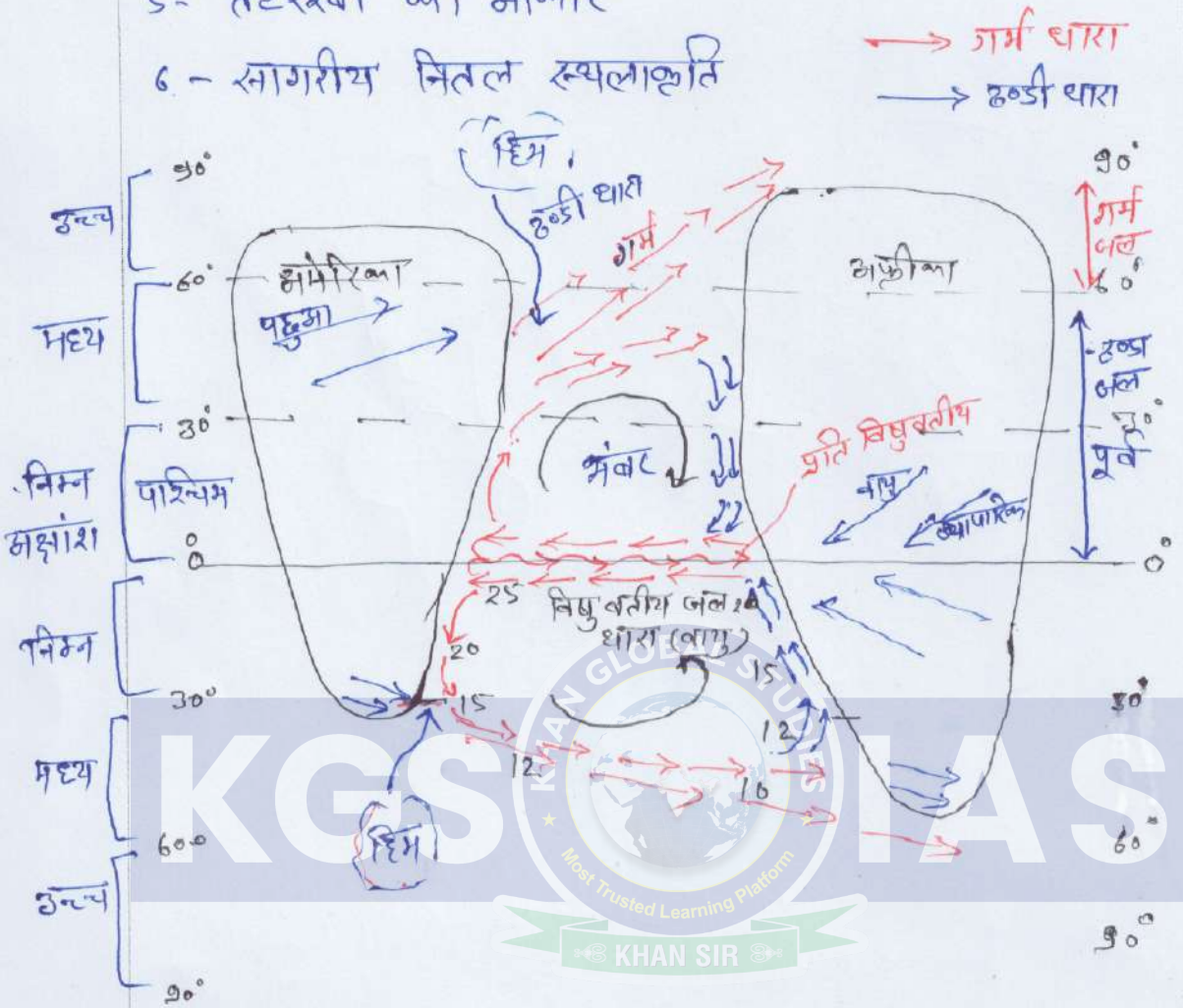

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

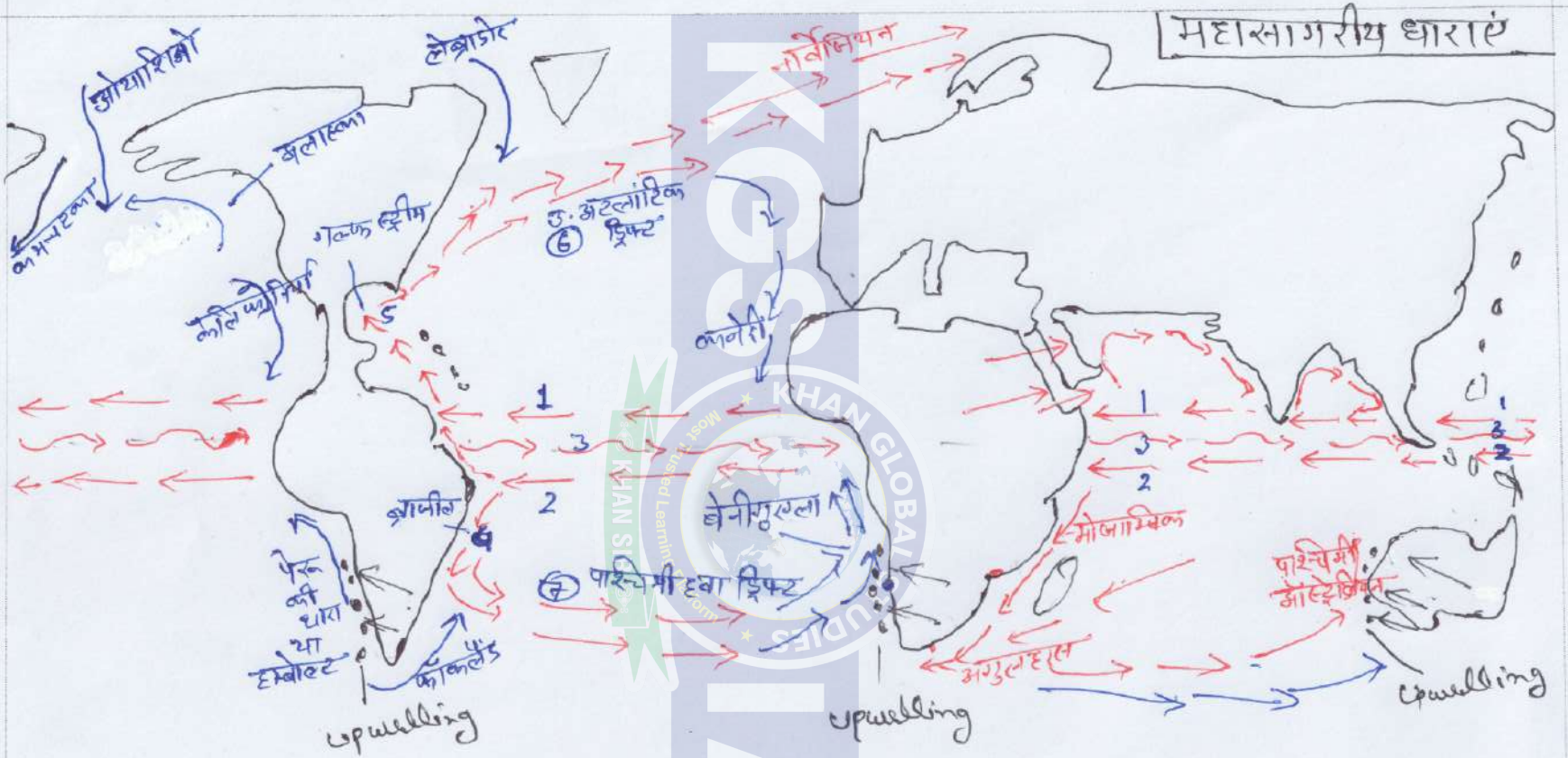

महासागरीय धाराएं

ओयाशियो
अलास्का
लैब्राडोर
गल्फ स्ट्रीम
कैलिफोर्निया
उ. अटलांटिक ड्रिफ्ट
नार्वेजियन
कनारी
ब्राजील
बेंगुएला
पश्चिमी हवा ड्रिफ्ट
पेरू की धारा या हम्बोल्ट
फाकलैंड
मोजाम्बिक
अगुलहास
पश्चिमी आस्ट्रेलिया
upwelling
upwelling
upwelling

- परिसंरचरण का सामान्य पैटर्न

- विषुवतीय प्रदेशों से ध्रुवों की ओर बहने वाली धाराएं गर्म धाराएं होती हैं।

- ध्रुवीय क्षेत्रों से विषुवतीय प्रदेशों की ओर बहने वाली धाराओं को ठंडी धाराएं कहा जाता है।

⇒ थर्मोहैलाइन सर्कुलेशन :-

- यह धाराएं पानी के घनत्व में अन्तर के कारण उत्पन्न होती हैं, जिसे तापमान एवं लवणता द्वारा नियंत्रित किया जाता है। इस घनत्व में अंतर के कारण उत्पन्न सागरीय धाराओं की प्रक्रिया को थर्मोहैलाइन सर्कुलेशन कहा जाता है।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Trusted Learning Platform KHAN SIR